

कुछ मुहावरे और उनका वाक्यों में प्रयोग

1. अंग-अंग ढीला होना- बहुत थक जाना।

प्रयोग- पचास किलोमीटर की पैदल यात्रा करने के कारण मेरा अंग-अंग ढीला हो गया।

2. अंग-अंग मुस्कराना- बहुत खुश होना।

प्रयोग- बेटे के नौकरी लग जाने का समाचार सुनकर पिता का अंग-अंग मुस्करा उठा।

3. अंगारे उगलना- क्रोध में आकर कठोर वचन बोलना।

प्रयोग- अपने माता-पिता के बारे में अपशब्द सुनकर वह अंगारे उगलने लगा।

4. अंगारे बरसना- बहुत तेज़ धूप होना।

प्रयोग- आज दिन में तो अंगारे ही बरस रहे हैं।

5. अँगुलियाँ उठाना- बदनाम करना या आरोप लगाना।

प्रयोग- श्याम ईमानदार लड़का है। उस पर अँगुलियाँ उठाने से कोई फ़ायदा नहीं है।

6. अँगूठा दिखाना- देने से मना कर देना।

प्रयोग- श्याम ने मुझे पाँच हजार रुपए देने का वादा किया था, किंतु जब मैं उसके घर गया तो उसने मुझे अँगूठा दिखा दिया।

7. अंजर-पंजर ढीला करना- बहुत ज्यादा मारना-पीटना।

प्रयोग- पुलिस ने पीट-पीटकर चोर के अंजर-पंजर ढीले कर दिए।

8. अंधा बन जाना- धोखे में आ जाना।

प्रयोग- आज के जमाने में लोग बहुत जल्दी दूसरों के सामने अंधे बन जाते हैं।

9. अक्ल का दुश्मन- एकदम मूर्ख।

प्रयोग- उसे समझाने से कोई लाभ नहीं है। वह तो अक्ल का दुश्मन है।

10. अक्ल पर परदा पड़ना- अक्ल से काम नहीं लेना।

प्रयोग- महेश को बहुत अच्छी तरह समझा दिया कि अच्छे अंकों के बिना पढ़ाई का कोई महत्त्व नहीं है, परंतु उसकी अक्ल पर परदा पड़ा हुआ है।

11. अगर-मगर करना- तरह-तरह के बहाने बनाना।

प्रयोग- रमेश ने मुझसे दो हजार रुपए उधार ले लिए, किंतु अब मैं उससे माँगता हूँ तो वह अगर-मगर करता है।

12. अपना उल्लू सीधा करना- अपना काम निकालना।

प्रयोग- तुमने सुरभि से इसलिए मित्रता की थी ताकि तुम अपना उल्लू सीधा कर सको।

13. अपना सा मुँह लेकर रह जाना- शर्मिदा होना।

प्रयोग- दीपक को चोरी करते हुए मैंने उसे देख लिया। वह अपना सा मुँह लेकर रह गया।

14. अपनी खिचड़ी अलग पकाना- सबसे अलग रहना।

प्रयोग- कक्षा में सुरेश अपनी खिचड़ी अलग ही पकाता है।

15. अपने पैरों पर खड़ा होना- स्वावलंबी होना।

प्रयोग- हमें अपने माता-पिता पर बोझ नहीं बनना चाहिए, बल्कि अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिए।

16. आँख उठाकर भी न देखना- ध्यान न लगाना।

प्रयोग- आज के विद्यार्थी पुस्तकों को आँख उठाकर भी नहीं देखते हैं और पास होने की उम्मीद लगाते हैं।

17. आँख-कान खोलकर चलना- सावधानीपूर्वक रहना।

प्रयोग- हमें सड़क पर आँख-कान खोलकर गाड़ी चलानी चाहिए।

18. आँख न लगना- नींद न आना।

प्रयोग- चिंता के कारण आज रात मेरी आँख ही न लगी।

19. आँखें भर आना- आँखों में आँसू आ जाना।

प्रयोग- अपने बिछड़े हुए पुत्र को सामने देखकर बूढ़े पिता की आँखें भर आईं।

20. आँखें खुलना- सावधान होना।

प्रयोग- मेरी आँखें खुल गई हैं। अब मैं तुम्हारे धोखे में नहीं आऊँगा।